इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर फार दि आर्ट्स लगाएगा एग्जिबिशन

हिमाचली सभ्यता पर सजेगी रॉक आर्ट प्रदर्शनी

■ सिटी रिपोर्टर, शिमला

हिमाचल की अनछुई सभ्यता जिसके बारे में लोगों को अभी जानकारी नहीं है, उसे अब लोग आसानी से जान जाएंगे। इस सभ्यता के बारे में जानकारी लोगों को हिमाचल राज्य संग्रहालय में बुधवार को आयोजित की जाने वाली रॉक आर्ट प्रदर्शनी के माध्यम से दी जाएगी। इस रॉक आर्ट प्रदर्शनी का आयोजन इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र नई दिल्ली भारत सरकार संस्कृति मंत्रालय के द्वारा किया जा रहा है। प्रदर्शनी में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र नई दिल्ली द्वारा खोज की गई शैल कलाएं प्रदर्शनी पर लगाई जाएगी। इस प्रदर्शनी में हिमाचल प्रदेश की शैल कलाएं भी पहली बार प्रदर्शनी पर लगाई जाएगी। इसके साथ ही हिमालय में मिले रॉक आर्ट की जानकारी देने के लिए डा. ओसी हांडा और डा. हरि चौहान द्वारा विशेष व्याख्यान भी दिया जाएगा। यह जानकारी इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र नई दिल्ली के निदेशक डा. बीएल माला ने दी। उन्होंने कहा कि हिमाचल में भी ऐसी प्रारंभिक ऐतिहासिक सभ्यता है, जिसमें शोध की आवश्यकता है उसके प्रति लोगों को जागरूक करने की आवश्कता है। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला के अनुसार लाहुल -स्पीति में बौद्ध धर्म से पहले भी एक सभ्यता थी जो धीरे-धीरे लुप्त हो गई है। उसके बारे में जानकारी रॉक आर्ट के माध्यम से जुटाई जा रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र 40 हजार वर्ष पूर्व की सभ्यता की खोज करेगा और उसके बारे में लोगों को जागरूक किया जाएगा। रॉक आर्ट की डाक्यूमेंटेशन के लिए डिसप्लिरी टीमों का गठन किा गया है। इस दौरान उन्होंने खुलासा किया कि हिमाचल प्रदेश में भी स्पीति वैली में भी रॉक आर्ट के नमूने मिले है।

दिव्य हिमाचल Wed, 15 June 2016
epaper.divyahimachal.com/c/11129067